This question paper contains **4** printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

397

B.A. (Programme)/III J

(Application Course)

रचनात्मक लेखन – हिन्दी

(प्रवेशवर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 50**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) **एक** प्रश्न के सभी अनुभागों का उत्तर एक स्थान पर दें ।

1. निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** अवधारणाओं को **100** शब्दों में स्पष्ट कीजिए :

(i) रचनात्मक लेखन से तात्पर्य ।

(ii) रचनाकार का स्वानुभूत ।

(iii) साहित्य रचना का लक्ष्य ।

(iv) रचनात्मकता और मूल्य बोध ।

(v) भाषा और रचनात्मकता ।

(vi) पॉपुलर कल्चर

(vii) 'आप थोड़ा चाहते हैं या थोड़े में ज्यादा ।'

(viii) तीन क्षणों की यात्रा —— रचना-प्रक्रिया ।

(ix) रचना-प्रक्रिया और अज्ञेय का विचार ।

(x) 'कवि बनाया जाता है ..... ।' $2 \times 5 = 10$

2. (क) किन्हीं **छः** उद्धरणों में यथानिर्दिष्ट विशेषताओं को चिह्नित कीजिए :

(i) बाइक सवार बदमाशों ने फिर बरपाया कहर । (अनुप्रास)

(ii) सचिन का बल्ला बोला बम-बम । (पुनरुक्ति)

(iii) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून । (श्लेष)

(iv) उन आँखों से अंगार बरस रहे थे । (लक्षणा शब्द शक्ति)

(v) तू कहाँ चल दिया । (अनौपचारिक भाषा)

(vi) हर कोई कर रहा है, वोटर से तारे तोड़ कर लाने के वादे। (मुहावरा)

(vii) शेरों ने कंगारुओं को हराया । (प्रतीक)

(viii) दूध हुआ महँगा । (तद्भव)

(ix) वह दिन-रात मेहनत करता है । (शब्द युग्म)

(x) अंधेरा-उजाला जिंदगी के रंग हैं । (विलोम शब्द)

$\frac{1}{2} \times 6 = 3$

(ख) किन्हीं **छः** भाषा-प्रयोगों की विशेषताएँ बताइए :

तत्सम प्रयोग, अभिधा शब्द-शक्ति, मौखिक भाषा, अनौपचारिक भाषा, अर्थ परिवर्तन में प्रत्यय की भूमिका, बिम्बात्मकता, आँचलिक शब्द-प्रयोग, लोकप्रिय संस्कृति, भाषा और व्याकरण, मुहावरेदार भाषा । $\frac{1}{2} \times 6 = 3$

(ग) किन्हीं **चार** अवधारणाओं पर लगभग 75-75 शब्दों में सोदाहरण टिप्पणी लिखिए :

अप्रस्तुत-विधान, अर्थालंकार, छंद का महत्त्व, मानवीकरण, बिम्ब, प्रतीक, प्रत्यय, चित्रात्मकता और बिम्बात्मकता । $1 \times 4 = 4$

3. (क) किसी **एक** के रचनात्मक वैशिष्ट्य का विश्लेषण कीजिए :

देखते देखा मुझे तो एकबार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार,
देख कर कोई नहीं
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सहज सजा सितार
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार ।
एक क्षण के बाद काँपी सुघर
ढलक माथे से गिरे सीकर
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा ।
"मैं तोड़ती पत्थर ।"

अथवा

"कुछ भी नहीं कर सकते । तुम्हारी आँखों पर चेहरे लटक रहे हैं । तुमने उन महापुरुषों को भुला दिया, जिन्होंने हमारे लिए इतनी-इतनी यातनाएँ सहीं । वे कर्म, वे त्याग, वे आशीष, जिन्हें कुचलकर हम यहाँ बढ़ आए हैं, वे हमें कभी चैन से नहीं रहने देंगे । ..... चाहे हम कितनी लफ्फाज़ी करें । अखबारों में मुँह छिपाएँ - कोई पागल हमें घूर रहा है । हम वह नहीं, जो करते हैं । हम वह नहीं, जो दीखते हैं । हम वह नहीं, जो कहते हैं । ऐसा क्यों हुआ ? ऐसा किसने किया ? अब कहाँ, कैसे छिपाओगे अपने चेहरे ?" **10**

(ख) किन्हीं **पाँच** अवधारणाओं को लगभग 75-75 शब्दों में स्पष्ट कीजिए :

कविता में अंतर्वस्तु और लय का संबंध, कविता में छंद का महत्त्व, छंद से मुक्ति और मुक्त छंद, कहानी में चरित्र-चित्रण, उपन्यास में परिवेश, कहानी और उपन्यास में अंतर, नाटक का दृश्य-विधान, नाटक में तीन 'A' , बाल मनोवैज्ञानिक कहानी, बाल चित्रकथाएँ । $1 \times 5 = 5$

4. (क) मीडिया लेखन के विविध रूपों का परिचय लगभग 200 शब्दों में दीजिए । 4

अथवा

रेडियो विज्ञापन और टी.वी. विज्ञापन का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) किसी **एक** विषय पर **150** शब्दों में फीचर लिखिए :

अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति : बराक ओबामा,

नैनो पर सियासत, बम्बई पर आतंक का कहर । 3

(ग) फिल्म 'स्लमडॉग मिलिनेयर', अथवा अपनी पढ़ी किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए । 3

5. (क) रचना की प्रेस कॉपी किस प्रकार तैयार करनी चाहिए – स्पष्ट कीजिए । 3

अथवा

लेखक-पाठक सम्बन्ध पर विचार कीजिए ।

(ख) निम्नलिखित उद्धरण का आवश्यक चिह्नों सहित प्रूफ-संशोधन कीजिए : 2

अचानक पेड़ ईतनी जोर सइ हिलन लाग कि उसीक नींद खुल गयी । गिरते-गिरते बाच गाय । सोचने लगा – पेड़ कउन हीला राह है ?